मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 43 ■ अंक : 68 ■ गुरुवार, 22 मई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

पति विक्की जैन संग मालदीव वेकेशन पर अंकिता लोखंडे

लघुशंका करते समय लगा बिजली का करंट

■ 16 वर्षीय लड़के की मौत

अंबरनाथ. बारिश में पेशाब करने गए एक 16 वर्षीय युवक की करंट लगने से मौत हो गई. यह चौंकाने वाली घटना ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में सामने आई है। मंगलवार रात करीब नौ बजे हुई इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में सोलह वर्षीय विग्नेश कचरे की मौत हो गई। यह घटना अंबरनाथ पश्चिम के भिंडी पाड़ा इलाके में घटी।

मई के पहले सप्ताह से ही राज्य और ठाणे जिले में बारिश हो रही है। अंबरनाथ शहर में भी मंगलवार को भारी बारिश हुई। इस बारिश के दौरान पश्चिम बंगाल के नवीन भिंडी पाड़ा इलाके में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई है।

अंबरनाथ के पश्चिम में नवीन भिंडी पाड़ा क्षेत्र में एक सोलह वर्षीय युवक की बिजली का झटका लगने से मौत हो गई। इस युवक का नाम विग्नेश कचरे है। मंगलवार रात करीब 9 बजे विग्नेश पेशाब करने के लिए नाले के पास गया। पेशाब करते समय उसे जोरदार बिजली का झटका लगा। दुर्भाग्यवश उनकी मृत्यु हो गई।

यह संभव है कि जिस स्थान पर विग्नेश पेशाब करने गया था, वहां बिजली की आपूर्ति खुली थी। घटना की सूचना मिलने पर अंबरनाथ पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में ले लिया। बाद में युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल भेज दिया गया। बेमौसम बारिश और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से अंबरनाथ शहर में हलचल मच गई है।

श्री सप्तश्रृंगी इमारत हादसा
फ्लैट मालिक गिरफ्तार

■ चौथी मंजिल के फ्लैट में मरम्मत के दौरान गिरा स्लैब

■ अपने फ्लैट के फ्लोरिंग में लगवा रहा था टाइल्स

कल्याण. कल्याण पूर्व के चिकनी पाड़ा स्थित श्री सप्तश्रृंगी इमारत में चौथी मंजिल के एक फ्लैट में मरम्मत कार्य किया जा रहा था. इसके लिए कल्याण डोंबिवली मनपा प्रशासन या सोसायटी से अनुमति नहीं ली गई थी। महानगर पालिका ने मंगलवार को श्री सप्तश्रृंगी भवन निवासी कृष्ण लालचंद चौरसिया के खिलाफ बिना अनुमति के मकान में तोड़फोड़ करने तथा सौंदर्यीकरण कार्य के दौरान स्लैब गिरने से सोसायटी के 6 लोगों की मौत का कारण बनने के आरोप में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कराया। यह मामला महाराष्ट्र प्रांतीय और नगर नियोजन अधिनियम की धारा 44 और एकीकृत विकास नियंत्रण विनियमन के नियम 2(2) के तहत दर्ज किया गया है।

कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका के वरिष्ठों की सलाह पर जे वार्ड के सहायक आयुक्त सचिन तामखेड़े ने मंगलवार रात कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर श्री सप्तश्रृंगी सोसायटी निवासी कृष्ण चौरसिया को हिरासत में लेकर उसी रात गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस और मनपा अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कृष्णा चौरसिया अपने परिवार के साथ चिकनी पाड़ा स्थित श्री सप्तश्रृंगी भवन की चौथी मंजिल पर रहते हैं। कृष्णा ने मंगलवार को अपने घर में मजदूरों के माध्यम से टाइल्स लगाने का काम शुरू किया था। घर में तोड़फोड़ की जा रही थी। जब तोड़फोड़ चल रही थी, तभी अचानक झटका लगने से कृष्णा के घर स्लैब ढह गया। यह हिस्सा तीसरी, दूसरी और पहली मंजिल से टकराकर सीधे भूतल पर गिरा। कुछ लोग स्लैब के नीचे फंस गए थे। इस दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हो गये। महानगर पालिका ने इस दुर्घटना के लिए कृष्णा चौरसिया को जिम्मेदार ठहराया है। मंगलवार रात को कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में कृष्णा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने उनके खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक गणेश न्हायडे के मार्गदर्शन में मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

इमारत को खाली करने का दिया गया था नोटिस

श्री सप्तश्रृंगी भवन का निर्माण लगभग बीस वर्ष पूर्व हुआ था। इस इमारत को पिछले वर्ष खतरनाक घोषित किया गया था। दो दिन पहले इस इमारत के मालिक को इमारत खाली करने का नोटिस जारी किया गया था क्योंकि यह खतरनाक थी। हर साल मई के अंत में महानगर पालिका अपने सीमा क्षेत्र में स्थित खतरनाक इमारतों के मालिकों को इमारत खाली करने के लिए नोटिस भेजती है।

मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये मुआवजा

महानगरपालिका ने कल्याण पूर्व के नूतन विद्या मंदिर स्थित स्कूल में मुख्यमंत्री सहायता कोष से श्री सप्तश्रृंगी भवन के लगभग 52 निवासियों को अस्थायी आश्रय प्रदान किया है। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने मंगलवार रात क्षतिग्रस्त इमारत का निरीक्षण किया। चव्हाण ने कहा कि मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री सहायता कोष से सहायता प्रदान की जाएगी। चव्हाण ने सुझाव दिया कि मनपा प्रशासन को इमारत के निवासियों के लिए अस्थायी आश्रय की उचित सुविधाएं उपलब्ध करानी चाहिए। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मृतकों के परिजनों को 5 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की है।

विनय मिश्रा राकांपा (अप) में शामिल

जिला ग्रामीण युवक उपाध्यक्ष बनाए गए

अंबरनाथ. अंबरनाथ राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार गट के कामगार सेल के सचिव विनय रमाकांत मिश्रा ने राष्ट्रवादी कांग्रेस अजित पवार पक्ष में प्रवेश किया है. उनको ठाणे जिला ग्रामीण युवक उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है. उन्होंने बताया कि उप मुख्यमंत्री अजित दादा पवार के कार्य और उनके नेतृत्व को देखते हुए उन्होंने राकांपा (अप) पक्ष में प्रवेश किया है. राष्ट्रवादी युवक कांग्रेस के अंबरनाथ शहर अध्यक्ष रमेश बाजरी के सहकार्य से व ठाणे जिला राकांपा अध्यक्ष प्रतीप हिंदूराव के नेतृत्व में विनय मिश्रा को ठाणे जिला ग्रामीण युवक उपाध्यक्ष पद के लिए नियुक्ति पत्र दिया गया है. उनकी इस नियुक्ति से उनके कार्यकर्ताओं में समाधान व्यक्त किया जा रहा है. विदित हो कि विनय मिश्रा शहर पश्चिम के उत्तर भारतीय बहुत इलाके बुवापाड़ा के निवासी हैं और यहां पर वह अपना अच्छा खासा असर रखते हैं. ठाणे जिला सामाजिक न्याय के अध्यक्ष कमलाकर सूर्यवंशी, शहराध्यक्ष अप्पा मालुसरे ने विनय मिश्रा की नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी है.

उल्हासनगर में 2 फर्जी डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज

■ बिना प्रमाण पत्र व लाइसेंस के कर रहे थे उपचार

उल्हासनगर. विट्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में दो डॉक्टरों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जो मेडिकल प्रैक्टिस करने का कानूनी लाइसेंस नहीं होने के बावजूद इलाज कर रहे थे। यह कार्रवाई श्री साईं क्लीनिक, मानेरेगांव उल्हासनगर-4 में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक तथा आरोपी डॉ. श्रीकृष्ण कुमावत और डॉ. देवेंद्र पुजारी के खिलाफ की गई है। शिकायतकर्ता डॉ. समीर सुहास सरवणकर (उम्र 42) द्वारा विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, डॉ. श्रीकृष्ण कुमावत और डॉ. डॉ. देवेंद्र पुजारी के पास महाराष्ट्र सरकार के चिकित्सा शिक्षा और औषधि विभाग द्वारा जारी कोई वैध प्रमाण पत्र या लाइसेंस नहीं होने के बावजूद वह अपने क्लिनिक में मरीजों का इलाज कर रहे थे। दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सरकारी परिपत्र संख्या सीआईएम/2000/1348/पी.के.183/2000/ अधिनियम, दिनांक 19 अगस्त 2000 के अनुसार, इस प्रकार के चिकित्सा पेशे को मान्यता नहीं दी गई है। जांच के दौरान यह स्पष्ट हो जाने के बाद कि दोनों मेडिकल प्रैक्टिस कर रहे थे, उनके खिलाफ संबंधित कानून के तहत मामला दर्ज किया गया।

25 मई तक आंधी तूफान के साथ तेज बारिश का अलर्ट

■ IMD ने जारी की चेतावनी

मुंबई. भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, 19 से 25 मई के बीच महाराष्ट्र के कई हिस्सों में बारिश की गतिविधि में तेज़ी आने की संभावना है, जिसमें भारी वर्षा विशेष रूप से कोंकण और पश्चिमी घाट क्षेत्रों में दर्ज की जा सकती है। मौसम विभाग ने बताया है कि 22 मई के आसपास कर्नाटक तट के पास पूर्व-मध्य अरब सागर में एक निम्न दबाव क्षेत्र यानी low pressure area बनने की संभावना है, जिसकी वजह से महाराष्ट्र में वर्षा की तीव्रता और दायरा दोनों बढ़ सकते हैं। वहीं 18 से 20 मई के बीच कोंकण, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज-चमक, बिजली गिरने और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज़ हवाएं चल सकती हैं। वर्तमान में, दक्षिण गुजरात और उत्तर कोंकण के तटीय क्षेत्रों के पास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई पर एक ऊपरी हवा का चक्रवात सक्रिय है, और 21 मई के आसपास कर्नाटक तट के पास एक नया चक्रवात बनने की संभावना जताई गई है, जो आगे चलकर उत्तर की ओर बढ़ सकता है और तीव्र हो सकता है।

अंबरनाथ नप की नई इमारत नए नगरसेवकों की प्रतीक्षा में

■ सभागृह में 90 सदस्यों के बैठने की जगह

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद कार्यालय की नई इमारत में कामकाज शुरू हुए दो वर्ष हो चुके हैं. इस इमारत में नगरसेवकों के बैठने के लिए सभागृह का काम भी पूरा हो चुका है. 4 महिने के भीतर अंबरनाथ नपा के चुनाव भी संपन्न होंगे. नई इमारत में शानदार तरीके से बनाया गया सभागृह नए सदस्यों की प्रतीक्षा कर रहा है. 5 वर्षों तक चुनाव नहीं हो सके हैं. 2015 से 2020 तक अंबरनाथ नगर परिषद में 57 सदस्य थे. नपा की दो मंजिला इमारत में 90 सदस्यों को बैठने के लिए सभागृह का निर्माण किया गया है. इस दो मंजिला इमारत पर और एक मंजिला इमारत का काम शुरू है. भविष्य का विचार करके इस इमारत का निर्माण किया गया है. 120 सदस्य तक के सदस्य इस सभागृह में बैठ सकते हैं. नए चुने गए नगरसेवकों के स्वागत के लिए सुसज्ज सभागृह प्रतीक्षा कर रहा है. अंबरनाथ नगर परिषद में 1995 में 31 सदस्य थे. 2000 के चुनाव में लोकप्रतिनिधियों की संख्या 41 हो गई. 5 स्वीकृत नगरसेवक मिलाकर कुल 46 नगरसेवक थे. 2005 में 50 सदस्य एवं पांच स्वीकृत नगरसेवक कुल 55 नगरसेवक थे. 2015 से 2020 के दरम्यान 57 सदस्य एवं 5 स्वीकृत कुल 62 सदस्य संख्या थी. अब की बार बहुसदस्य के अनुसार वार्ड के चुनाव होने जा रहे हैं. 29 वार्ड में बहु सदस्य केवल एक वार्ड क्र. 4 में 3 सदस्य इस तरह कुल 59 नए सदस्य चुनकर नई इमारत की सभागृह में शहर के विकास कामों को अंजाम देंगे.

उल्हासनगर में नशे में धुत लोगों की बेखौफ गुंडागर्दी

■ गाड़ियों की तोड़फोड़ कर आतंक फैलाया

उल्हासनगर. रविवार आधी रात को हुई एक घटना के बाद उल्हासनगर शहर एक बार फिर आतंक में डूब गया है। महात्मा फुले नगर में आधी रात को कुछ नशे में धुत युवकों के एक गिरोह ने सड़क पर खड़े वाहनों पर हमला कर दिया। उन्होंने रिक्शा, टेम्पो और दोपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की और उनमें से एक को आग लगा दी। यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई और इससे नागरिकों में आक्रोश फैल गया। रविवार आधी रात को उल्हासनगर के महात्मा फुलेनगर इलाके में नशे में धुत युवकों के एक गिरोह ने नागरिकों की कारों में तोड़फोड़ की, जिससे दहशत का माहौल बन गया। देर रात करीब 2 से 3 बजे के बीच इन युवकों ने इलाके में खड़े रिक्शा, टेम्पो और दोपहिया वाहनों में तोड़फोड़ की। उन्होंने यहीं नहीं रुकते हुए एक दोपहिया वाहन में आग लगा दी और उसे पूरी तरह जला दिया। पूरी घटना इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों में स्पष्ट रूप से कैद हो गई और पुलिस ने संबंधित फुटेज के आधार पर जांच शुरू कर दी है। इस घटना के बाद नागरिकों में भय और गुस्से का माहौल व्याप्त हो गया है तथा पुलिस से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सख्त कार्रवाई करने की पुरजोर मांग की जा रही है।

ग्रामीण क्षेत्रों में तालाबों का होगा संरक्षण

■ संरक्षण के लिए परियोजना प्रबंधन संगठन नियुक्त करेगी जिप

ठाणे. ठाणे जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐतिहासिक तालाब हैं। जिला परिषद ने इन तालाबों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इन तालाबों के संरक्षण के लिए जिला परिषद के माध्यम से एक परियोजना प्रबंधन संगठन नियुक्त किया जाएगा और इसकी प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिला परिषद ने बताया कि यह परियोजना राज्य सरकार की झील संरक्षण योजना के तहत क्रियान्वित की जाएगी तथा प्रथम चरण में दस तालाबों पर कार्य किया जाएगा।

ठाणे शहर को तालाबों के शहर के रूप में जाना जाता है। इसके अलावा, ठाणे जिले के ग्रामीण इलाकों में कई ऐतिहासिक तालाब देखे जा सकते हैं। इन तालाबों के संरक्षण एवं परिरक्षण के लिए राज्य झील संरक्षण योजना क्रियान्वित की जा रही है। तदनुसार, ठाणे जिला परिषद के लघु सिंचाई विभाग ने शहापुर, अंबरनाथ, मुरबाड, कल्याण और भिवंडी के पांच तालुकों में 16 तालाबों के लिए प्रस्ताव भेजे थे। इनमें से 13 तालाबों पर काम स्वीकृत हो चुका है। इस योजना के तहत तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जाएगा और इस पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 50 से 55 लाख रुपए तक का खर्च आएगा। इस कार्य के लिए जिला परिषद द्वारा एक परियोजना प्रबंधन संगठन नियुक्त किया जाएगा। लघु सिंचाई विभाग ने बताया कि इसके लिए टेंडर प्रक्रिया लागू की जाएगी।

इस परियोजना के लिए ठाणे ग्रामीण क्षेत्रों से कुल 16 तालाबों के प्रस्ताव प्राप्त हुए थे। इनमें से 13 तालाबों के प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई है। इसमें भिवंडी तालुका की दस और अंबरनाथ तालुका की तीन तालाब शामिल हैं। इस परियोजना में तालाबों से गाद निकालना, तालाबों के चारों ओर उद्यान बनाना, पेड़ लगाना, पेवर ब्लॉक लगाना, नागरिकों के लिए बैठने की व्यवस्था करना, पैदल पथ बनाना और सुरक्षात्मक दीवार खड़ी करना शामिल होगा।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय जवानों के शौर्य को सलामी दी गई

अंबरनाथ में तिरंगा यात्रा निकाली गई

▶▶ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय जवानों द्वारा किए गए शौर्य को सलामी देने के लिए एवं स्व. राजीव गांधी की स्मृति दिन र बुधवार 21 मई को अंबरनाथ शहर ब्लॉक कांग्रेस द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई. ब्लॉक अध्यक्ष कृष्णा रसाल पाटिल एवं बदलापुर शहराध्यक्ष संजय जाधव द्वारा शहर पश्चिम महात्मा गांधी स्कूल चौक से शहर पूर्व छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से हुतात्मा चौक तक तिरंगा यात्रा का आयोजन हुआ. अध्यक्ष कृष्णा पाटिल ने बताया कि कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल के आदेशानुसार ठाणे जिलाध्यक्ष दयानंद चोरघे के सूचनानुसार रैली का आयोजन किया गया था. जिसमें मुरबाड, शहापुर, अंबरनाथ ग्रामीण, बदलापुर, कल्याण ग्रामीण कांग्रेस के तालुका अध्यक्ष, शहराध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, जिला पदाधिकारी, स्थानीय कांग्रेस के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे. भारत माता की जय, भारतीय जवान जिंदाबाद के नारे लगाए गए. सभी के हाथों में तिरंगा झंडा लहरा रहा था. तिरंगा यात्रा में महाराष्ट्र कांग्रेस के जिला प्रभारी राजेश शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दयानंद चोरघे आदि नेता, रोहित प्रजापति, नंदकुमार देवले, पूर्व नगरसेवक विलास जोशी, सायरा सय्यद, संघजा मेश्राम, अनिता प्रजापति, गोपाल रॉय, गनी पीरजादे, राजेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित थे.

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

■ हरियाणा से लाई गई शराब की बोतलों से भरी 53 पेटियां जब्त

कल्याण. आबकारी विभाग ने हरियाणा राज्य में निर्मित शराब का एक स्टॉक जब्त किया। इस कार्रवाई में टीम ने 25 लाख 63 हजार 980 रुपये का कीमती सामान जब्त किया है। शराब का स्टॉक छिपाने के लिए टेंपो में एक कंपार्टमेंट बनाया गया था। आबकारी विभाग इस मामले में मुख्य आरोपी की तलाश कर रहा है। आरोपियों के नाम विजय बजाज (36) और रवि विश्वकर्मा (36) हैं।

आबकारी विभाग के उड़नदस्ते को सूचना मिली थी कि हरियाणा राज्य में निर्मित व बेची जाने वाली शराब राज्य में बिक्री के लिए लाई जाएगी। इस सूचना के आधार पर आबकारी विभाग के निरीक्षक दिगंबर शेवाले, उपनिरीक्षक एच.बी. यादव, रिंकेश डांगट, वी. वी. सकपाल, सहायक उपनिरीक्षक महावीर कोलेकर, जवान श्रीराम राठौड़, हनुमंत गढ़वे, नारायण जानकर, अमित सानप, कुणाल तड़वी, सागर चौधरी की टीम ने जाल बिछाया। टेम्पो के वहां पहुंचने पर टेम्पो दस्ते ने उसे रोक लिया। जब इसकी जांच की गई तो हरियाणा राज्य में निर्मित और बेची जाने वाली विदेशी शराब की बोतलों से भरे 53 डिब्बे पाए गए, जिसकी बिक्री महाराष्ट्र में प्रतिबंधित है। उन्होंने इस गुप्त सामग्री को छिपाने के लिए वाहन में एक कम्पार्टमेंट बनाया था। इस बीच, टीम ने इस मामले में विजय बजाज और रवि विश्वकर्मा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। मुख्य अपराधी की तलाश जारी है। उनके खिलाफ महाराष्ट्र मद्य निषेध अधिनियम, 1949 की धारा 65 (ए), (ई), 81, 83, 90 और 103 के तहत मामला दर्ज किया गया

विकलांग डिब्बे में नेत्रहीन महिला पीटने वाला गिरफ्तार

कल्याण. टिटवाला में रहने वाली एक नेत्रहीन महिला रात में कांजुरमार्ग से लोकल ट्रेन में यात्रा कर रही थी। विकलांग डिब्बे में एक स्वस्थ महिला और एक पुरुष यात्री बैठे थे। जैसे ही अंधी महिला ने यात्रियों को उठने के लिए कहा, पुरुष यात्री ने अंधी महिला के साथ गाली-गलौज, मारपीट, छेड़छाड़ की तथा जान से मारने की धमकी दी। कल्याण रेलवे पुलिस ने नेत्रहीन महिला के साथ दुर्व्यवहार करने वाले आरोपी मोहम्मद बेग को मुंब्रा से गिरफ्तार किया है।

नेत्रहीन महिला ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंधारी कांदे ने तीन जांच दल गठित कर उस यात्री की तलाश शुरू कर दी है, जिसने नेत्रहीन महिला के साथ दुर्व्यवहार और छेड़छाड़ की थी। 33 वर्षीय नेत्रहीन महिला टिटवाला में रहती है। वे काम के लिए कांजुरमार्ग जाती हैं। शुक्रवार की रात इस नेत्रहीन महिला ने कांजुरमार्ग रेलवे स्टेशन पर सीएसएमटी-टिटवाला लोकल ट्रेन पकड़ी।

महिला विकलांगों के लिए बने डिब्बे में यात्रा कर रही थी। विकलांग डिब्बे में चढ़ने पर महिला ने देखा कि दो स्वस्थ महिला और पुरुष यात्री विकलांग डिब्बे में बैठे हैं। चूंकि डिब्बे में बैठने के लिए कोई जगह नहीं थी, इसलिए अंधी महिला ने डिब्बे में बैठे पुरुष यात्री से अपनी सीट से उठने को कहा। ये दोनों यात्री अपनी सीट छोड़ने को तैयार नहीं थे। इसलिए नेत्रहीन महिला ने उनके पीछे उठने पर जोर दिया। पुरुष यात्री क्रोधित हो गया और उसने अंधी महिला को गाली देना शुरू कर दिया। उनके साथ मौजूद महिला ने भी उनका समर्थन किया। यात्री ने इस अंधी महिला के साथ छेड़छाड़ की तथा उसे जान से मारने की धमकी दी। महिला की पिटाई से वह करने घायल हो गई।

दृष्टिहीन महिला ने कल्याण लोहमार्ग पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई कि उसके साथ उसके डिब्बे में मारपीट की गई। तीनों पुलिस टीमों ने कांजुरमार्ग और टिटवाला के बीच रेलवे स्टेशनों के सीसीटीवी फुटेज की जांच की। इसमें नेत्रहीन महिला पर हमला करने वाले पुरुष यात्री की पहचान हो गई। उसके आवासीय पते का पता लगा लिया गया और उसे उसके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया।

अंधे, विकलांग और बीमार यात्री विकलांग डिब्बे में यात्रा करते हैं। यद्यपि यह उनका अधिकारिक डिब्बा है, फिर भी कई सक्षम यात्री अन्य डिब्बों में भीड़ से बचने के लिए विकलांगों के डिब्बे में चढ़ जाते हैं। उपनगरीय रेलवे यात्री महासंघ की अध्यक्ष लता अरगड़े ने रेलवे पुलिस से ऐसे यात्रियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

शांति की राह पर रूस-यूक्रेन युद्ध!

भारूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग को रोकने की दिशा में हो रहे प्रयासों के अब सकारात्मक संकेत नजर आने लगे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच टेलिफोन पर हुई बातचीत से शांति की राह खुलती नजर आ रही है। इस दौरान पुतिन ने युद्ध विराम के लिए वार्ता शुरू करने पर सहमति जताई है। करीब दो घंटे से अधिक समय तक चली इस बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूस और यूक्रेन युद्ध विराम पर वार्ता जल्द शुरू करेंगे।

पिछले दिनों यूक्रेन की ओर से शांति वार्ता से पहले युद्ध विराम की पेशकश को रूस ने खारिज कर दिया था। अब डोनाल्ड ट्रंप से बातचीत में पुतिन ने शांति वार्ता शुरू करने पर सहमति जता दी है, लेकिन वार्ता की राह आसान नजर नहीं आ रही है। पुतिन पहले ही साफ कर चुके हैं कि स्थायी युद्ध विराम के लिए यूक्रेन को मिलने वाली हर तरह की बाहरी सहायता पर पूर्ण रोक और उसे नाटो सदस्यता न देने जैसी शर्तें प्रमुख होंगी। वहीं, यूक्रेन का कहना है कि वह अपनी संप्रभुता को लेकर कोई समझौता नहीं करेगा और रूस को यूक्रेन की कब्जा की गई जमीन वापस करनी होगी।

इन हालात में माना जा रहा है कि निश्चित रूप से पूर्ण युद्ध विराम की ओर ले जाने वाली आगे की राह मुश्किलों से भरी है। एक रपट के मुताबिक, यूक्रेन की कुल भूमि का करीब पांचवां हिस्सा वर्तमान में रूस के कब्जे में है। सवाल है कि क्या रूस यह भू-भाग लौटा देगा? या, यूक्रेन इस जमीन पर अपना दावा छोड़ देगा? विश्व बैंक की एक रपट के अनुसार तीन वर्ष से चल रहे इस युद्ध में अकेले यूक्रेन को 152 अरब डालर का नुकसान हो चुका है।

इसके अलावा, दोनों देशों में जनहानि अलग से हो रही है। यह सर्वविदित है कि किसी भी समस्या के स्थायी समाधान के लिए शांतिपूर्ण माहौल में बातचीत से बेहतर विकल्प और कुछ नहीं है। ऐसे में उम्मीद की जानी चाहिए कि रूस और यूक्रेन शांति वार्ता के लिए कदम आगे बढ़ाएंगे और उसका सुखद नतीजा सामने आएगा।

देशघात की हद तक जाती राजनीति, आतंकवाद से लड़ना कठिन

पिछले दिनों एक पाकिस्तान टीवी चैनल का एंकर चीखते हुए कह रहा था, 'कितने भारतीय तैय्यारे (विमान) तबाह हुए? भारतीय अपोजीशन लीडर राहुल गांधी का मोदी सरकार से एक बार फिर सवाल...।' राहुल के इसी सवाल को अन्य पाकिस्तानी टीवी चैनलों ने जोर-शोर से उछाला। इसके लिए उन्होंने राहुल की उस एक्स पोस्ट को दिखाया, जिसमें उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर के वीडियो का महज 17 सेकेंड वाला एक हिस्सा नत्थी किया था।

राहुल ने इस वीडियो बयान का यह मतलब निकाला कि विदेश मंत्री ने आतंकी अड्डों को निशाना बनाने के पहले ही पाकिस्तान को सूचना दे दी। इससे आतंकी भी भाग गए और सतर्क पाकिस्तानी सेना को भारतीय विमानों को निशाना बनाने में आसानी भी हुई। यद्यपि विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि विदेश मंत्री के कहने का वह आशय नहीं, जो निकाला जा रहा है, लेकिन राहुल मानने को तैयार नहीं हुए।

वह अपनी बात पर अड़े रहे। इसके नतीजे में ही पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा, 'जयशंकर ने जो किया, उसे मुखबिरी करना कहते हैं।' पाकिस्तानी टीवी चैनलों ने पवन खेड़ा के इस बयान को भी लपकने में देर नहीं की।

क्या कोई सहज-सामान्य बुद्धि वाला व्यक्ति यह सोच सकता है कि जो विदेश मंत्री राजनयिक रहा हो, वह ऐसी पूर्व सूचना दे सकता है- हेलो, हम आपके आतंकी अड्डों पर हमला करने जा रहे हैं। हमारे नेताओं ने कश्मीर, चीन पाकिस्तान प्रायोजित आतंक को लेकर पहले

भी ऐसे बयान दिए हैं, जिन्हें इन देशों ने अपने पक्ष में भुनाया है। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में भारत के खिलाफ पेश अपने डोजियर में राहुल गांधी के कश्मीर पर दिए गए बयान का उल्लेख कर चुका है।

एक बार राहुल ने यह कह दिया था कि सेनाध्यक्ष ने यह मान लिया है कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर लिया है। उनके एक बयान को आतंकी पन्नू भी भुना चुका है। यह देखना दयनीय है कि पहलगाम हमले के बाद जो सर्वदलीय सहमति बनी थी, उसकी धज्जियां सी उड़ रही हैं। ऐसा राजनीतिक क्षुद्रता के कारण हो रहा है। कांग्रेस को इस पर भी आपत्ति है कि ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पाकिस्तान को बेनकाब करने के लिए जो सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया के कई देशों में जाने हैं, उनमें सरकार ने उसके नेता शशि थरूर को क्यों शामिल कर लिया। ममता बनर्जी ने भी कहा कि आखिर सरकार कौन होती है कि हमारे दल से कौन प्रतिनिधिमंडल में शामिल होगा? इस राजनीतिक क्षुद्रता का पूरा लाभ पाकिस्तान उठा रहा है।

वहां के चैनलों में हमारे कई नेताओं के वे वीडियो चलाए जा रहे, जो भारत के खिलाफ उनके एजेंडे को धार देने में मददगार हैं। ऐसा लग रहा था कि पहलगाम की भयावह घटना के बाद देश की आंखें खुल जाएंगी और राजनीति के साथ समाज उस खतरे के प्रति पूरी तरह सावधान हो जाएगा, जो पाकिस्तान से भयावह रूप में उभर आया है। समाज तो एक हद तक चेतता दिख रहा, लेकिन राजनीतिक वर्ग का व्यवहार निराश करने वाला है। देशघात की हद तक जाने वाली सस्ती राजनीति पाकिस्तानी आतंकवाद से लड़ाई को कठिन ही बनाएगी।

इन दिनों भारतीय राजनीति में जो कुछ हो रहा है, उससे पाकिस्तान, चीन और अन्य भारत विरोधी ताकतें खुश हो रही हों तो हैरानी नहीं। जब बड़े नेता क्षुद्रता दिखा रहे हों तो छोटे-मोटे नेताओं की बात कौन करे। समझना कठिन है कि भाजपा कर्नल सोफिया कुरैशी पर ओछी टिप्पणी करने वाले मध्य प्रदेश के अपने मंत्री विजय शाह का इस्तीफा लेने से क्यों बच रही है?

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर अपने देश में पहले भी सस्ती राजनीति होती रही है। अभी दो दिन पहले लश्कर का जो आतंकी सैफुल्ला पाकिस्तान में मारा गया, यह वही है, जिसने भारत में तीन बड़े आतंकी हमले कराए थे। इनमें एक रामपुर के सीआरपीएफ कैंप पर किया गया था, जिसमें सात जवान बलिदान हुए थे। इस हमले में शामिल आतंकियों से मुकदमा वापस लेने की कोशिश सपा सरकार ने की थी। इसलिए की थी, क्योंकि 2012 में उसने वादा किया था कि हम सत्ता में आए तो बेगुनाहों को राहत देंगे।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

ध्यानाभ्यास के द्वारा हम शांति प्राप्त कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मनरेगा घोटाला : कृषि मंत्री बेटे गिरफ्तार

यह स्थापित तथ्य है कि अधिकतर सरकारी योजनाएं अपने लक्ष्य तक नहीं पहुंच पातीं। भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाती हैं। महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना यानी मनरेगा की स्थिति भी इससे अलग नहीं है। इस योजना की शुरूआत इस मकसद से की गई थी कि गरीब परिवारों को साल में कम से कम सौ दिन रोजगार मिल सकेगा और उन्हें अपने भरण-पोषण के लिए किसी दूसरी योजना का मुखापेक्षी नहीं रहना पड़ेगा। मगर शुरूआती वर्षों में ही इसमें भ्रष्टाचार उजागर होने लगे थे। फर्जी नाम दर्ज कर काम देने की बड़ी चालबाजियां सामने आई थीं।

उसे रोकने के कई उपाय किए गए, पर इस पर पूरी तरह विराम नहीं लग सका। इस योजना को बंद करने या इसका स्वरूप बदलने का फैसला इसलिए नहीं किया जा सका कि संविधान में इसकी गारंटी दी गई है। सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार का ताना-बाना संबंधित महकमों में ही बुना जाता है। इसका ताजा उदाहरण गुजरात में मनरेगा के तहत फर्जी तरीके से कार्य निष्पादन के दस्तावेज तैयार कर करोड़ों की रकम भुना लेने का है। पुलिस ने इस मामले में अब तक ग्यारह लोगों को गिरफ्तार किया है, जिन्हें सड़क, बांध, पुलिया आदि निर्माण के लिए सामग्री मुहैया कराने का ठेका दिया गया था।

इस घोटाले ने इसलिए तूल पकड़ा और राजनीतिक रंग ले लिया है कि इसमें वहां के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री के दो बेटों को भी गिरफ्तार किया गया है। उनकी एजंसियां भी मनरेगा परियोजनाओं में शामिल थीं। उन्होंने कार्यों का निष्पादन किए बगैर फर्जी दस्तावेज जमा कर भुगतान प्राप्त कर लिया। मनरेगा की जिन परियोजनाओं में उन्होंने घोटाला किया, वे वहां के आदिवासी इलाकों में चलाई जा रही थीं। इसके अलावा, फिलहाल जांच में पैंतीस ऐसी एजंसियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है, जिन्होंने 2021 से 2024 के बीच सरकारी अधिकारियों से मिलीभगत करके जाली दस्तावेजों के आधार पर इकहत्तर करोड़ रुपए का भुगतान प्राप्त कर लिया।

अभी तक जिला ग्रामीण विकास एजंसी यानी डीआरडीए की जांच में सामने आए एक जिले के तथ्यों के आधार पर ये गिरफ्तारियां हुई हैं। इसलिए कयास लगाए जा रहे हैं कि पूरे राज्य में इस योजना के तहत कितने बड़े पैमाने पर घोटाला हुआ होगा। उन आदिवासी इलाकों में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिनके लिए ये परियोजनाएं चलाई तो गई थीं, पर वे केवल कागजों में दर्ज होकर रह गईं।

आमतौर पर गरीबों के लिए चलाई जाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम जमीन पर कम ही उतर पाते हैं। दिखाने के लिए जो कुछ काम होते भी हैं, उनकी गुणवत्ता सदा संदिग्ध रहती है। उनमें इस्तेमाल सामग्री और कामकाज की गुणवत्ता इस कदर खराब होती है कि सड़कें, पुल-पुलिया वगैरह पहली ही बारिश में धुल कर साफ हो जाते हैं।

ग्रामीण विकास के नाम पर अनेक योजनाएं चलाई जाती हैं, केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की तरफ से, मगर वास्तव में उनसे गांवों का चेहरा कितना बदला है, कहना मुश्किल है। ऐसे वक्त में, जब अस्सी करोड़ से ऊपर लोगों को मुफ्त के राशन पर निर्भर रहना पड़ रहा है, मनरेगा जैसी रोजगार गारंटी योजना में इतने बड़े पैमाने पर व्याप्त भ्रष्टाचार विकास के दावों का विद्रूप ही कहा जाएगा। गुजरात को विकास के आदर्श के रूप में प्रचारित किया जाता है। जब वहां स्थिति ऐसी है, तो दूसरे राज्यों में इस योजना की हालत का अंदाजा लगाया जा सकता है।

34 की उम्र में दादी बनी महिला, बाप बन 17 साल का बेटा!

आजकल लड़के-लड़कियां दोनों ही 30 साल के बाद शादी करना पसंद करते हैं. पर आपको जानकर

जरा हट के

हैरानी होगी कि जिस उम्र में आजकल औरतें शादी कर रही हैं, उस उम्र में एक महिला दादी बन गई. सिंगापुर की एक ऑनलाइन इंफ्लुएंसर 34 साल की उम्र में दादी बन गई है. उसका बेटा सिर्फ 17 साल की उम्र में पिता बन गया है. उसने अब बेटे को भरोसा दिलाया है कि वो आर्थिक तौर पर उसकी मदद करेगी. शिर्ली लिंग अब 35 साल की हो चुकी हैं. जो एक चिकन हॉटपॉट रेस्टोरेंट चलाती हैं, उनके इंस्टाग्राम पर 17,000 फॉलोअर्स हैं. उन्होंने 2022 में सिंगापुर की फिल्म 'अह गर्ल्स गो आर्मी' में अभिनय करने के बाद अपनी अच्छी एक्टिंग के लिए प्रसिद्धि प्राप्त की थी.

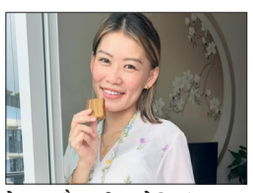

शर्ली की 3 शादियां हो चुकी हैं. जब वो 17 साल की थीं, तब उन्होंने अपने पहले बेटे को जन्म दिया था. इसके बाद एक और

बेटा और तीन बेटियां, कुल मिलाकर उनके पांच बच्चे हैं. वर्तमान में, उनका सबसे बड़ा बेटा 18 साल का है, जबकि अन्य बच्चे 17, 13, 10 और आठ साल के हैं. 'जब बच्चे बड़े हो रहे होते हैं, तो आपको उन्हें बार-बार बताना पड़ता है, 'मम्मी की तरह मत बनो, इतनी कम उम्र में शादी मत करो,'' लिंग ने कहा. उन्होंने कहा- 'जितना अधिक आप उन्हें ऐसा न करने के लिए कहते हैं, उतना ही अधिक वे ऐसा करते हैं.'

पिछले साल, जब उनके सबसे बड़े बेटे की गर्लफ्रेंड गर्भवती हुई, तो लिंग, जो खुद एक युवा मां हैं, ने तीव्र प्रतिक्रिया नहीं दी. उन्होंने मजाक में कहा कि उनका बेटा 17 साल की उम्र में पिता बनने के लिए तैयार हो गया था. उन्होंने बेटे से कहा था- 'जो हो गया, सो हो गया.' शर्ली लिंग बताती हैं कि बेटे को डांटने के बजाय, वो उसे सलाह देना और अधिक समर्थन प्रदान करना पसंद करती हैं.' उन्होंने अपने बेटे को 'जिज्ञासु' और 'मस्ती करने वाला' व्यक्ति बनाया है. जब उसे अपनी गर्लफ्रेंड की गर्भावस्था के बारे में बताया गया, तो लिंग ने उसे अपना निर्णय लेने और उसकी जिम्मेदारी लेने दिया. उन्होंने कहा कि भले ही उनका बेटा बच्चा न रखने का फैसला करे, लेकिन वे गारंटी नहीं दे सकतीं कि वह फिर से वही गलती नहीं करेगा.

खाना-खजाना

प्याज का पराठा

सामग्री :

- गेहूं का आटा: 2 कप
- नमक: 1/2 छोटा चम्मच
- तेल या घी: 1 बड़ा चम्मच
- प्याज: 2-3 मध्यम आकार की
- हरी मिर्च: 1-2
- हरा धनिया: 2 बड़े चम्मच
- अदरक: 1/2 छोटा चम्मच
- अजवाइन: 1/2 छोटा चम्मच
- धनिया पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- जीरा पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच
- अमचूर पाउडर: 1/2 छोटा चम्मच (या नींबू का रस)
- गरम मसाला: 1/4 छोटा चम्मच
- नमक: स्वादानुसार

विधि :

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में गेहूं का आटा और नमक लें। फिर इसमें तेल या घी डालकर नरम और चिकना आटा गूंथ लें। इसके बाद आटे को गीले कपड़े से ढककर 15-20 मिनट के लिए रख दें, ताकि वह सेट हो जाए। अब एक

बड़े कटोरे में बारीक कटी हुई प्याज और नमक अच्छे से मिलाएं और 5 मिनट के लिए छोड़ दें। ऐसा करने से प्याज अपना पानी छोड़ देगी, जिससे पराठा बेलते समय फटेगा नहीं। 5 मिनट बाद, प्याज को हाथों से अच्छी तरह निचोड़कर एक्स्ट्रा पानी निकाल दें। अब निचोड़ी हुई प्याज में हरी मिर्च, हरा धनिया, कद्दूकस किया अदरक, अजवाइन, धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, अमचूर पाउडर और गरम मसाला डालें। गुंथे हुए आटे से मीडियम शेप की लोई लें और उसे थोड़ा-सा बेल लें। फिर बेली हुई लोई के बीच में प्याज की स्टफिंग का एक बड़ा चम्मच भरें. लोई को चारों तरफ से उठाकर स्टफिंग को अच्छे से बंद कर दें और एक गेंद का आकार दे दें। ध्यान रखें कि स्टफिंग बाहर न निकले। अब इस भरी हुई लोई को हल्के हाथों से सूखे आटे की मदद से धीरे-धीरे बेल लें। अब तवा गरम कर लें और फिर इसपर बेला हुआ पराठा थोड़ा सेंक लें। अब पराठे पर तेल या घी लगाकर दोनों तरफ से सुनहरा भूरा और कुरकुरा होने तक सेंक लें। फिर जब पराठा फूल जाए और अच्छे से सिक जाए, तो उसे तवे से हटा लें। बस तैयार हैं आपके गरमा-गरम प्याज के पराठे। इन्हें दही, अचार या अपनी पसंदीदा चटनी के साथ परोसें।

भारत में बढ़ते मोटापे के पीछे की क्या है वजह?

कैसे दे सकते हैं इसे मात?

मोटापा अब सिर्फ बाहरी दिखावे से जुड़ी परेशानी नहीं रही है। कई स्टडीज में और डॉक्टर्स भी इस बारे में कई बार बता चुके हैं कि मोटापा डायबिटीज और हार्ट डिजीज जैसी खतरनाक बीमारियों का कारण बन सकता है। पिछले कुछ सालों में इंडिया में मोटापे के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं. साथ ही, ऐसी चिंता जताई जा रही है कि यह मामले अभी और बढ़ सकते हैं। मोटापे से सिर्फ वयस्क ही नहीं, बल्कि बच्चे और टीनेजर्स भी जूझ रहे हैं। ऐसे में सवाल आता है कि भारतीयों में मोटापा क्यों तेजी से बढ़ रहा है और इससे बचने के लिए क्या करना चाहिए ।

■ क्यों बढ़ रहा है मोटापा?

मोटापा बढ़ने के पीछे कई छोटी-बड़ी वजहें शामिल हो सकती हैं, जैसे-

■ एक्सरसाइज की कमी

स्मार्टफोन और टेक्नोलॉजी के जमाने में हर काम अब कुर्सी पर बैठे-बैठे हो जाता है। इसलिए लोगों की फिजिकल एक्टिविटी बहुत कम हो चुकी है।

■ जंक फूड खाना

समय के साथ हमारी खाने-पीने की आदतों में भी काफी बदलाव आया है। अब लोग घर का बना हेल्दी खाना कम पसंद करते हैं और बाजार के पैकेट बंद और

झटपट मिल जाने वाले प्रोसेस्ड और जंक फूड को खाना ज्यादा पसंद करते हैं।

■ नींद पूरी न होना

बदलती लाइफस्टाइल में बहुत कम लोग ऐसे हैं, जो रोज7-8 घंटे की नींद लेते हैं। नींद पूरी न होने की वजह से शरीर में कॉर्टिसोल हार्मोन बढ़ता है, जो शरीर में इंफ्लेमेशन ट्रिगर कर सकता है। इसकी वजह से भी मोटापा बढ़ता है।

■ मोटापे से बचने के लिए क्या करें?

■ समय से सोएं

सोने का एक फिक्स समय चुनें और रोज उसी समय पर सोने जाएं। कोशिश करें कि सोने से 2-3 घंटे पहले डिनर कर लें, ताकि खाना पचाने में आसानी हो और आपको नींद भी बेहतर आएगी। साथ ही, सोने का समय तय करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपको 7-8 घंटे की नींद जरूर मिले।

■ मॉर्निंग वॉक पर जाएं

अगर आप जिम नहीं जाना चाहते, तो मॉर्निंग वॉक पर जा सकते हैं। यह बहुत सिंपल, लेकिन असरदार एक्सरसाइज है। रोज सुबह ठंडी हवा में वॉक करने से आपका मूड बेहतर होता है और आपकी बॉडी का फैट भी बर्न होता है।

■ घर का बना खाना खाएं

बाहर से खाना ऑर्डर करने की जगह कोशिश करें कि आप घर पर बना फ्रेश खाना ही खाएं। इससे आपके शरीर को सही पोषण मिलेगा। साथ ही, एक बैलेंस्ड डाइट अपनाएं, जिसमें सही मात्रा में कार्ब्स, फाइबर, प्रोटीन, मिनरल्स और विटामिन शामिल हों।

■ डॉक्टर की मदद लें

अगर आपकी फैमिली में मोटापे की परेशानी है या आपको लग रहा है कि हेल्दी लाइफस्टाइल और डाइट फॉलो करने के बाद भी आप सही वजन मेंटेन नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको डॉक्टर से बात करनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष : उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड आदि मनोनुकूल लाभ देंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा। आत्मसम्मान बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लाभ होगा।

वृषभ : चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय बनी रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। दूसरे लोग आपसे अधिक अपेक्षा करेंगे।

कर्क : डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा। किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर सुख-शांति बनी रहेगी।

सिंह : योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्यभार तथा अधिकार दोनों बढ़ सकते हैं। बाहर जाने की योजना बनेगी। शत्रुओं का पराभव होगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या : कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर मिल सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

तुला : बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। मेहनत अधिक और लाभ कम रहेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। घर में तनाव रह सकता है।

वृश्चिक : स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य अनुकूल है, लाभ लें। घर-बाहर सभी ओर से सहयोग प्राप्त होगा। प्रसन्नता रहेगी।

धनु : स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। पार्टनरों से मतभेद दूर होंगे। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। लापरवाही न करें।

मकर : रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर सभी ओर से सफलता तथा प्रसन्नता प्राप्त होगा।

कुंभ : आज किसी भी तरह के विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दु:खद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें। दौड़धूप अधिक होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग कम मिलेगा। कार्य की अधिकता रहेगी। जल्दबाजी न करें।

मीन : मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। भाग्य अनुकूल रहेगा। रुके कार्य पूरे होंगे। प्रसन्नता रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय होगा।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

क्या अंडा खाने से बढ़ सकती है शरीर की गर्मी?

गर्मियों में लोग ऐसे फूड्स को अवॉइड करते हैं, जो शरीर में गर्मी पैदा करते हैं. माना जाता है कि गर्म फूड्स खाने से कई तरह की परेशानियां पैदा हो सकती हैं. अंडा सर्दियों में जमकर खाया जाता है, लेकिन गर्मियों में इसकी डिमांड कम हो जाती है. हालांकि कई लोग मानते हैं कि गर्मियों में भी अंडा

खाने से कोई नुकसान नहीं होता है. इसे लेकर लोगों की अलग-अलग राय है, लेकिन इस बारे में एक्सपर्ट क्या कहते हैं? चलिए एक्सपर्ट से हकीकत जानने की कोशिश करते हैं.

नोएडा के डाइट मंत्रा क्लीनिक की सीनियर डाइटिशियन कामिनी सिन्हा ने बताया कि अंडा को सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है, क्योंकि इसमें प्रोटीन, विटामिन्स, मिनरल्स और हेल्दी फैट्स भरपूर मात्रा में होते हैं. यह इम्यूनिटी, मसल्स ग्रोथ निर्माण, स्किन और बालों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. हालांकि गर्मियों में अंडा का सेवन कम करना चाहिए. दरअसल गर्मी अंडा एक हीट प्रोड्यूसिंग फूड माना जाता है और यह शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है. अगर आप रोज एक-दो अंडा खाएंगे, तो गर्मियों में इससे कोई नुकसान नहीं होगा. ज्यादा मात्रा में अंडा खाने से बचना चाहिए.

डाइटिशियन के मुताबिक गर्मियों में अंडा सुबह के समय ब्रेकफास्ट में खाया जाए, तो बेहतर होता है. इस समय शरीर की पाचन क्रिया सबसे अच्छे तरीके से काम करती है. अंडे को उबालकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है, क्योंकि इसमें तेल या मसाले नहीं होते हैं, जो गर्मियों में अपच और गैस की समस्या बढ़ा सकते हैं. अगर कोई व्यक्ति स्वस्थ है और किसी प्रकार की एलर्जी या पाचन संबंधी समस्या नहीं है, तो रोज 1-2 अंडे गर्मियों में भी खाए जा सकते हैं. बच्चों, बुजुर्गों और हार्ट पेशेंट्स अंडा खाने से पहले डाइटिशियन या डॉक्टर की सलाह जरूर लें. जरूरत से ज्यादा अंडे खाना हर मौसम में नुकसानदायक हो सकता है.

पोषक तत्वों से भरपूर है हरी मिर्च

■ स्वाद के साथ रखती है स्वास्थ्य का ख्याल

■ लेकिन ऐसे करें इस्तेमाल

खाने में केवल तीखा नहीं करती है हरी मिर्च इसे खाने के बहुत सारे फायदे भी है, जो आज कल लोगों को नहीं पता होते हैं अगर खाने में मिर्च का तीखापन न हो तो खाने से चटपटापन ही खत्म हो जाएगा. हालांकि, आयुर्वेद में मिर्च का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है. आयुर्वेदाचार्य बताते हैं कि हरी मिर्च में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं. यदि एक हरी मिर्च का सेवन नियमित रूप से किया जाए तो यह काफी फायदेमंद होता है.

साहित्यकार हजारी प्रसाद द्विवेदी ने अपने निबंध 'अशोक के फूल' में कहा है, 'मिर्च बिना, जिंदगी में स्वाद नहीं...' वहीं, आयुर्वेद कहता है कि औषधीय गुणों से भरपूर मिर्च केवल भोजन का स्वाद ही नहीं बढ़ाता, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी उत्तम है. मिर्च के सेवन से अनेकों लाभ मिलते हैं.

■ हरी मिर्च खाने के क्या फायदे हैं?

हरी मिर्च के औषधीय गुणों को गिनाते हुए पंजाब स्थित 'बाबे के आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल' के डॉ. प्रमोद आनंद तिवारी ने बताया कि इसमें विटामिन ए, सी, के और फीटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं. हरी मिर्च में बीटा कैरोटीन, एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पाए जाते हैं.

इसके सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है और पाचन तंत्र मजबूत होता है. हृदय रोगों, सिरदर्द, थकान, अनिद्रा के साथ शरीर को डिटॉक्स करने का भी काम करता है.

डॉक्टर तिवारी ने मिर्च के सेवन से होने वाले लाभ के बारे में जानकारी देते हुए बताया, 'मिर्च को आयुर्वेद में 'कुमत्रृचा' के नाम से जाना जाता है. इसका सेवन स्वास्थ्य को कई तरह से लाभ पहुंचाता है. हरी मिर्च के सेवन से मधुमेह नियंत्रित होता है. पाचन तंत्र दुरुस्त होता है और इससे आंतों में जमने वाले बैक्टीरिया भी दूर होते हैं. हरी मिर्च में एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं जो संक्रमण को भी दूर करते हैं. हरी मिर्च रक्तचाप को भी नियंत्रित करती है.'

■ हरी मिर्च ज्यादा खाने के नुकसान

उन्होंने आगे बताया, 'रोजाना हरी मिर्च के सेवन से मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और कैप्सैसिन नामक तत्व की वजह से शरीर का तापमान सामान्य रहता है. मिर्च हृदय रोगों में भी फायदेमंद है.'

डॉक्टर तिवारी ने बताया कि मिर्च का सेवन ज्यादा नहीं करना चाहिए, अन्यथा पेट में जलन की शिकायत हो सकती है. उन्होंने यह भी बताया कि बवासीर के मरीजों को लाल मिर्च के सेवन से बचना चाहिए. हालांकि, हरी मिर्च के सेवन से कोई समस्या नहीं होती.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

खौफनाक अंजाम, शादीशुदा प्रेमिका ने प्रेमी के संग खाया जहर, युवक की मौत

लखनऊ. लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक युवक मंगलवार देर रात शादीशुदा गर्लफ्रेंड के साथ जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर दोनों को परिजनों ने अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान युवक की मौत हो गई। वहीं, महिला का पति उसे लेकर प्राइवेट अस्पताल चला गया। ये घटना सरोजनीनगर क्षेत्र का है। चिल्लावां का रहने वाले 21 साल के अर्पित यादव का आजदानगर के रहने वाली महिला के संग प्रेम प्रसंग था। मंगलवार को परिवार वाले अर्पित को तलाशते हुए प्लॉट पर पहुंचे। जहां अर्पित बेसुध पड़ा मिला। मुंह से झाग निकल रहा था। ये देख परिजनों के होश उड़ गए। आनन-फानन में भाई मुलायम सिंह यादव उसे लेकर अस्पताल पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने अर्पित को मृत घोषित कर दिया। इस बीच आजादनगर स्थित प्लॉट के पास में रहने वाली अर्पित की प्रेमिका के भी जहर खाने का पता चला। महिला को उसके पति ने निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया।

डेढ़ साल पहले लव मैरिज, पति आसिफ ने मुस्कान की कर दी बेरहमी से हत्या

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में दिलदहला देने वाली वारदात सामने आई है। यहां मोहनलालगंज हुलासखेड़ा में बुधवार को एक महिला का शव पड़ा मिला। शरीर पर कई जगह गहरे घाव थे। शव की पहचान करते हुए पुलिस ने शक के आधार पर महिला के पति को हिरासत में लिया। पूछताछ में पता चला कि आसिफ और मुस्कान ने डेढ़ साल पहले लव मैरिज की थी। विवाद से परेशान आसिफ ने अपनी पत्नी मुस्कान की चाकू से गोद कर बेरहमी से हत्या कर दी। इसके बाद हत्या का हादसा दिखाने के लिए शव को सड़क किनारे फेंक दिया। बुधवार सुबह हुलाखेड़ा में एक महिला का शव पड़ा मिला था। शव की पहचान मोहनलालगंज निवासी मुस्कान के तौर पर हुई। पति आसिफ से पूछताछ किए जाने पर वह सही जानकारी नहीं दे रहा था। पुलिस ने कड़ाई की तो उसने सच उगल दिया।

गाजीपुर में हादसा, पूजा कार्यक्रम में हाईटेंशन तार की चपेट में आने से 4 की मौत, 3 झुलसे

गाजीपुर. गाजीपुर में बड़ा हादसा हो गया। यहां मरदह थाना के नरवर गांव में काशीदास पूजन के आयोजन के दौरान बांस लगाने के दौरान ऊपर से गुजर रहे हाइटेंशन तार की चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई। वहीं करंट की चपेट में आकर तीन लोग झुलस जाने से अचेत हो गए। सभी को अचेतावस्था में इलाज के लिए मऊ स्थित अस्पताल में ले जाया गया है जहां सभी इलाज का इलाज चल रहा है। घटना के बाद हड़कंप मच गया है। हादसे की सूचना मिलते ही बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ सदर एसडीएम मनोज पाठक व मरदह थानाध्यक्ष तारावती यादव मौके पर पहुंचीं।

यूपी में हाइवे पर बस बनी आग का गोला

अलीगढ़. यूपी के अलीगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार रात करीब 12 बजे बिल्हौर से पानीपत जा रही प्राइवेट बस में आग लग गई। चालक, परिचालक समेत सवारियों ने बस से कूद कर जान बचाई। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक बस जल कर खाक हो चुकी थी। जानकारी में मुताबिक बस बिल्हौर से सवारियां लेकर पानीपत जा रही थी। मथुरा रोड ओवर ब्रिज पर अचानक इंजन की तरफ से धुआं निकाला। चालक कुछ समझ पाता कि आग की लपटें निकालना शुरू हो गईं। आग देख कर यात्रियों में चीख पुकार मचा गई। बस को रोक दिया गया।

केंद्र बोला-सरकारी जमीन पर किसी का हक नहीं

सुप्रीम कोर्ट में कहा- 100 साल पुरानी समस्या खत्म करने की कोशिश कर रहे

नई दिल्ली. वक्फ संशोधन एक्ट की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को लगातार दूसरे दिन सुनवाई हो रही है। केंद्र की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट से कहा कि हम एक बहुत पुरानी समस्या को खत्म कर रहे हैं, जिसकी शुरुआत 1923 में देखी गई थी।

उन्होंने कहा है कि सरकारी जमीन पर किसी का कोई हक नहीं हो सकता, चाहे वो 'वक्फ बाय यूजर' के आधार पर ही क्यों न हो। अगर कोई जमीन सरकारी है, तो सरकार को पूरा अधिकार है कि वह उसे वापस ले ले, भले ही उसे वक्फ घोषित कर दिया गया हो।

केंद्र ने यह भी कहा कि वक्फ एक धर्मनिरपेक्ष व्यवस्था है और यह कानून सिर्फ इसके प्रशासन और प्रबंधन को सुधारने के लिए लाया गया है, इससे धार्मिक स्वतंत्रता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

इससे पहले 20 मई को CJI बीआर गवई, जस्टिस एजी मसीह और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच के सामने केंद्र ने पहले उठे मुद्दों तक सुनवाई सीमित रखने का अनुरोध किया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था, सुनवाई उन तीन मुद्दों पर हो, जिन पर जवाब दाखिल किए हैं।

नए वक्फ कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट सिर्फ 5 मुख्य याचिकाओं पर ही सुनवाई कर रहा है। इसमें AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी की याचिका शामिल है। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों को बहस के लिए 7 घंटे का वक्त तय किया है। मंगलवार को 3 घंटे तक याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद बेंच ने मामला आज तक के लिए स्थगित कर दिया था।

'सोनिया-राहुल के खिलाफ केस बनता है'

- ED बोली- अपराध की आय से 142 करोड़ कमाए
- नेशनल हेराल्ड केस की अगली सुनवाई जुलाई में

नई दिल्ली. कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी से जुड़े नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आज दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट में चौथी सुनवाई हुई। ED ने कोर्ट को बताया कि, पहली नजर में सोनिया और राहुल के खिलाफ केस बनता है। दोनों ने अपराध की आय से 142 करोड़ रुपए कमाए हैं। ED की तरफ से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक अपराध की आय का आनंद ले रहे थे जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त नहीं कर ली। ED की तरफ से दलीलें सुनने के बाद कोर्ट ने कहा कि, इस मामले में 2 से 8 जुलाई तक रोजाना सुनवाई होगी। नेशनल हेराल्ड केस 2012 से चल रहा है, जब भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने सोनिया, राहुल और उनकी सहयोगी कंपनियों से जुड़े लोगों के खिलाफ शिकायत की थी।

छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ में 27 नक्सलियों का एनकाउंटर

- डेढ़ करोड़ का इनामी नक्सली ढेर
- 20 शव और हथियार बरामद, 1 जवान शहीद

अबूझमाड़. नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। 20 के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में DRG (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान शहीद हो गया है। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर मुठभेड़ चल रही है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन का महासचिव बसवा राजू मौजूद है। इसी आधार पर फोर्स को रवाना किया गया था। अबूझमाड़ के बोटेर पहुंचते ही जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बड़ी कामयाबी बताया है।

7 दिन पहले 31 नक्सली मारे

पुलिस ने 7 दिन पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर करेगुट्टा ऑपरेशन की जानकारी दी थी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित करेगुट्टा के पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल हैं।

BJP आईटी सेल प्रमुख और अर्नब गोस्वामी पर FIR

नई दिल्ली. भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और रिपब्लिक टीवी के जर्नलिस्ट अर्नब गोस्वामी के खिलाफ कांग्रेस ने FIR की है। दोनों पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप है।

अमित मालवीय ने 17 मई को 'X' पर अर्नब गोस्वामी एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो बता रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी का तुर्किये में रजिस्टर्ड ऑफिस है। मालवीय ने लिखा- राहुल गांधी को बताना चाहिए कि ऐसा करने की जरूरत क्यों पड़ी। यह हैरान और समझ से बाहर का मामला है। देश को इसका सच जानने का हक है।

इसी वीडियो को लेकर शिकायत में कहा गया है कि ऐसा सोची-समझी रणनीति के तहत देश की जनता को गुमराह और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के लिए किया गया है। यह लोगों की भावनाओं को भड़काने, देश की सुरक्षा और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है।

महाराष्ट्र सरकार ने CJI गवई को परमानेंट स्टेट गेस्ट बनाया

- प्रोटोकॉल गाइडलाइन जारी की
- चीफ जस्टिस को राज्य के चीफ सेक्रेटरी-DGP ने रिसीव नहीं किया था

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने भारत के चीफ जस्टिस (CJI) की यात्रा के दौरान राज्य में आधिकारिक शिष्टाचार का पालन तय करने के लिए प्रोटोकॉल गाइडलाइन्स जारी की हैं। मंगलवार देर शाम जारी गाइडलाइन्स के तहत, CJI बी आर गवई को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र में परमानेंट स्टेट गेस्ट का दर्जा दिया है।

जस्टिस बीआर गवई 14 मई को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद 18 मई को पहली बार महाराष्ट्र गए थे। हालांकि, मुंबई में उन्हें स्टेट चीफ सेक्रेटरी, DGP या मुंबई पुलिस कमिश्नर में से कोई भी रिसीव करने नहीं आए थे, जिसपर CJI गवई ने नाराजगी जाहिर की थी।

इस घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। सोमवार को राज्य के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उन्होंने प्रोटोकॉल में चूक के लिए राज्य सरकार की ओर से CJI गवई से फोन पर माफी मांगी है।

स्टेट गेस्ट को एयरपोर्ट पर स्वागत-विदाई देने का नियम

महाराष्ट्र स्टेट गेस्ट रूल्स, 2004 के अनुसार, स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित या माने जाने वाले किसी पदाधिकारी को राज्य प्रोटोकॉल सब-डिवीजन की तरफ से एयरपोर्ट पर स्वागत और विदाई की व्यवस्था की जाती है। जिलों में कलेक्टर ऑफिस नामित प्रोटोकॉल अधिकारियों को रिसीव करने या छोड़ने की व्यवस्था करता है।

अब महाराष्ट्र में परमानेंट स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित किए जाने के बाद CJI सभी प्रोटोकॉल-संबंधी सुविधाओं के हकदार होंगे। उन्हें राज्य के किसी भी हिस्से में अपनी यात्रा के दौरान आवास, गाड़ी की व्यवस्था और सुरक्षा दी जाएगी।

जज बनने के लिए 3 साल का वकालत का अनुभव जरूरी

- सुप्रीम कोर्ट ने खत्म की 20 साल पुरानी व्यवस्था

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने देशभर में न्यायिक सेवाओं में प्रवेश की प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए लॉ ग्रेजुएट्स को एंट्री-लेवल जज की परीक्षा में बैठने की अनुमति देने की 20 साल पुरानी परंपरा को समाप्त कर दिया है। अब केवल वही उम्मीदवार प्रथम श्रेणी न्यायिक अधिकारी पदों के लिए पात्र होंगे, जिन्होंने कम से कम तीन वर्षों के लिए वकालत की है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति एजी मसीह और के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने इस निर्णय में कहा, 'न्यायिक अधिकारी नियुक्ति के पहले दिन से ही नागरिकों के जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति और प्रतिष्ठा से जुड़े गंभीर मामलों से निपटते हैं। केवल किताबों से प्राप्त ज्ञान या नौकरी से पूर्व की ट्रेनिंग कोर्ट में मिलने वाले प्रत्यक्ष अनुभव की जगह नहीं ले सकते। पीठ ने माना कि पिछले दो दशकों में सीधे स्नातक छात्रों की भर्ती से कई व्यवहारिक और प्रशासनिक समस्याएं पैदा हुई हैं। इन नए नियुक्त न्यायिक अधिकारियों में अनुशासन और व्यवहार की समस्याएं देखी गईं जिनसे न्यायिक प्रक्रिया प्रभावित हुई।

प्रैक्टिस प्रमाणपत्र अनिवार्य किया गया

अब से न्यायिक सेवा परीक्षा में आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा, जो यह सिद्ध करेगा कि वे न्यूनतम तीन वर्षों से अधिवक्ता के रूप में अदालत में प्रैक्टिस कर रहे हैं। यह प्रमाणपत्र कम से कम 10 साल के अनुभव वाले एक वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा प्रमाणित होना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा के प्रोफेसर को जमानत

नई दिल्ली. सेना के ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट करने वाले हरियाणा की अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सुप्रीम कोर्ट से सशर्त जमानत मिल गई है।

कोर्ट ने कहा कि जमानत के दौरान महमूदाबाद ऑपरेशन सिंदूर और भारत में हुए आतंकी हमलों या जवाबी एक्शन के बारे में कोई भी कमेंट नहीं करेंगे, न ही कोई स्पीच नहीं देंगे।

कोर्ट ने महमूदाबाद के खिलाफ जांच रोकने से भी इनकार कर दिया। केस की जांच के लिए कोर्ट ने 24 घंटे के भीतर 3 IPS अफसरों की SIT बनाने के आदेश दिए, जिसमें एक महिला अधिकारी शामिल होगी। साथ ही हरियाणा और दिल्ली का कोई अधिकारी शामिल नहीं होगा। कोर्ट ने महमूदाबाद को पासपोर्ट सरेंडर करने और जांच में सहयोग करने के आदेश दिए हैं।

हरियाणा के सोनीपत में प्रोफेसर अली खान पर 2 FIR दर्ज हुई थीं। उन पर आरोप है कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर और उसके बाद सेना की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर विवादित टिप्पणी की थी।

ट्रेनी IAS पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट से मिली अग्रिम जमानत

- कहा- उन्होंने कोई बड़ा अपराध नहीं किया
- सबकुछ खो दिया, कहीं नौकरी भी नहीं मिलेगी

नई दिल्ली. विवादों में घिरी ट्रेनी IAS पूजा खेडकर को सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को अग्रिम जमानत दी। जस्टिस बी वी नागरत्ना और सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने पूजा को जांच में सहयोग करने का आदेश दिया है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा- पूजा ने कौन सा बड़ा अपराध कर दिया। वह कोई ड्रग माफिया या आतंकवादी नहीं है। उन पर हत्या (धारा 302) का आरोप नहीं है।

कोर्ट ने आगे कहा- आपके पास कोई सिस्टम या सॉफ्टवेयर होना चाहिए, जिससे इस तरह की जांच समय पर हो। उसने सब कुछ खो दिया है, अब कहीं नौकरी नहीं मिलेगी।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा- इस मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले ही जमानत देनी चाहिए थी। दिल्ली पुलिस के वकील ने जमानत का विरोध किया। कहा कि पूजा जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं।

पूजा खेडकर पर संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) परीक्षा पास करने के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और दिव्यांगता कोटे से आरक्षण लेने के लिए धोखाधड़ी करने का आरोप है।

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश पलट दिया

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट का 23 दिसंबर 2024 का आदेश पलट दिया था। पूजा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा ने कहा था कि हाईकोर्ट के आदेश में कुछ ऐसी टिप्पणी हैं जो ट्रायल शुरू होने पर पूजा के खिलाफ प्रयोग हो सकते हैं। इस पर बेंच ने UPSC और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया था।

दो बार की चैंपियन पीवी सिंधु बाहर

- मलेशिया मास्टर्स 2025
- वियतनाम की गुयेन ने हराया;
- प्रणय, करुणाकरण अगले दौर में पहुंचे

दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स 2025 से बाहर हो गई हैं। वहीं, एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरण ने शानदार जीत दर्ज करते हुए मेंस सिंगल्स के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया।

मलेशिया के कुआलालंपुर में खेले जा रहे टूर्नामेंट के पहले दौर में भारतीय शटलर प्रणय ने जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोटो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21 21-17 21-16 से हराया।

करुणाकरण ने चीनी ताइपे के तीसरी सीड चोउ टिएन चेन को सिर्फ 39 मिनट में 21-13 21-14 से हराकर उलटफेर किया। भारत के मेंस शटलरों के लिए यह अच्छा दिन रहा क्योंकि आयुष शेट्टी भी कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। लेकिन, सिंधु का खराब फॉर्म जारी रहा और वह सुपर 500 टूर्नामेंट की शुरुआती बाधा को पार करने में विफल रहीं और वियतनाम की गुयेन थुई लिन्ह से 11-21, 21-14, 15-21 से हार गईं।

सिंधु ने दो बार जीता है मलेशिया मास्टर्स का खिताब

मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट 2009 से खेला जा रहा है। यह एक एनुअल बैडमिंटन टूर्नामेंट है। पीवी सिंधु मलेशिया मास्टर्स में सबसे सफल भारतीय खिलाड़ी है। उन्होंने दो बार विमेंस सिंगल्स का खिताब जीता है। साइना नेहवाल ने एक बार जीता है। वहीं, मेंस सिंगल्स में एसएच प्रणय ने एक बार 2023 में यह टाइटल जीता है।

हिंदुओं पर होते रहे हमले, सोई रही पुलिस

- बंगाल हिंसा पर HC की रिपोर्ट में TMC पर नई आंच

कोलकाता. पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बीते महीने हुई सांप्रदायिक हिंसा को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट की निगरानी में गठित जांच समिति ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस हिंसा में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का एक नेता भी शामिल था। हिंसा उस समय भड़की जब वक्फ संशोधन विधेयक पारित किया जा रहा था और हमले का निशाना खासतौर पर हिंदू समुदाय के लोग बने। रिपोर्ट में कहा गया है कि जब पीड़ित लोगों ने मदद के लिए पुलिस को पुकारा, तो पुलिस ने कोई जवाब नहीं दिया।

एनडीटीवी के मुताबिक, जांच समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि मुर्शिदाबाद के स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने खुद इन हमलों का नेतृत्व किया। वह शुक्रवार 11 अप्रैल को दोपहर 2:30 बजे के बाद बदमाशों के साथ गांव में पहुंचे और फिर आगजनी, लूटपाट और तोड़फोड़ का तांडव शुरू हुआ। रिपोर्ट में बताया गया कि बेटबोना गांव में 113 घर बुरी तरह प्रभावित हुए और वहां दुकानोंमें जमकर तोड़फोड़ और लूटपाट की गई।

'पाकिस्तान में मेरी शादी करवा दो'

- ISI एजेंट से वॉट्स ऐप चैट आई सामने
- यूट्यूबर पठानकोट गई थी लेकिन वीडियो नहीं बनाया

नई दिल्ली. पाकिस्तान के लिए जासूसी के शक में पकड़ी गई हिसार की यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के अधिकारी से एक और वॉट्सऐप चैट सामने आई है। हसन अली, ज्योति से कहता है, 'जो यार, मेरे दिल से दुआ निकलती है हमेशा कि आप खुश रहो। आप हमेशा हंसते-खेलते रहो, जीवन में कभी कोई गम नहीं आएगा।' इस पर ज्योति ने हसन को हंसी वाले इमोजी के साथ कहा, मेरी शादी पाकिस्तान में करवा दो।

वहीं, ज्योति एक साल पहले पठानकोट गई थी। हालांकि, उसने वहां ट्रैवलिंग से जुड़ा कोई वीडियो नहीं बनाया था। लेकिन, फेसबुक पर शेयर की गई फोटो और छोटी सी क्लिप से उसके वहां जाने का खुलासा हो गया। जिसके बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) और इंटेलिजेंस ब्यूरो (IB) की टीम उसे मंगलवार (20 मई) को पठानकोट लेकर गई।

उल्हासनगर महानगरपालिका, उल्हासनगर

जाहीर आवाहन

स्वातंत्र्याचा अमृत महोत्सव

01. उल्हासनगर शहरातील दहा वर्षांपेक्षा जुन्या इमारतीमधील रहिवाश्यांना सुरक्षिततेच्या दृष्टीकोनातून महापालिकेच्या पॅनलेवरील कोणत्याही संरचनात्मक अभियंत्यामार्फत इमारतीची संरचनात्मक तपासणी करुन घेणेसाठी वेळोवेळी सुचित करण्यात आलेले आहे. तसेच महानगरपालिकेमार्फत शहरातील धोकादायक इमारतींची यादी प्रसिध्द करुन इमारतीमधील रहिवाशांना वेळोवेळी अधिनियमातील तरतुदीन्वये नोटीस बजावणी करण्यात आलेली आहे. सदर 'धोकादायक/अतिधोकादायक' घोषित करण्यात आलेल्या इमारतीची प्रभाग समिती निहाय यादी उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या www.umc.gov.in या संकेतस्थळावर List of Dangerours Buildings या शिर्षकाखाली उपलब्ध असून नागरिक आपली इमारत धोकादायक/अतिधोकादायक घोषित केलेल्या यादीमध्ये आहे किंवा नाही याची खात्री करु शकतात.

02. ज्या इमारती 10 वर्षापेक्षा जुन्या आहेत त्या इमारतीमधील रहिवाश्यांनी तात्काळ महापालिकेच्या पॅनवरील संरचनात्मक अभियंत्यामार्फत आपल्या इमारतीची तपासणी (Structural Audit) करुन घेऊन त्याची प्रत संबधित प्रभाग समिती कार्यालयात, उल्हासनगर महानगरपालिका येथे सादर करावी. महापालिकेच्या पॅनलवर नियुक्त केलेल्या संरचनात्मक अभियंत्यांची यादी महापालिकेचे संकेतस्थळ www.umc.gov.in यावर नागरिकांच्या माहितीसाठी प्रसिध्द करण्यात आलेली आहे. नागरिकांना या संदर्भात अधिक माहिती हवी असल्यास महापालिकेच्या प्रभाग समिती कार्यालयात सहायक आयुक्त यांचेशी संपर्क साधावा.

वास्तव्यास असणारी इमारत ढोबळमानाने थोकादायक झाली आहे, याबाबत काही प्राथमिक लक्षणे आढळून येतात, ती खालीलप्रमाणे,

1. इमारतीच्या आर. सी. सी. फ्रेम, कॉलम, बीम, स्लॅब इत्यादीच्या रचनेत बदल होत असल्याचे आढळल्यास उदा.
   इमारतीचे कॉलम झुकल्यासारखे दिसून आल्यास.....
   इमारतीचे बीम झुकल्यासारखे दिसून आल्यास.....
   इमारतीची स्लॅब झुकल्यासारखे दिसून आल्यास....
   इमारतीच्या स्लॅबच्या सळया गंजून व प्लास्टर निखळून सळया बाहेर निघाल्याचे दिसून आल्यास.....
2. इमारतीच्या तळमजल्याचा भाग खचल्यासारखा दिसून आल्यास.....
3. इमारतीच्या कॉलममधील भेगा वाढत असल्यास दिसून आल्यास.....
4. इमारतीच्या कॉलममधील कॉक्रीट पडत असल्याचे दिसून आल्यास.....
5. इमारतीच्या कॉलमचा भाग फुगल्यासारखा दिसल्यास....
6. इमारतीच्या आर. सी. सी. चेंबर्स (कॉलम, बीम) व विटांची भिंती यातील साधा/भेगा वाढत असल्यास.....
7. स्लॅबचे किंवा बोमचे तळमजल्याचे कॉक्रीट पडत असल्यास.....
8. इमारतीच्या गिलाव्यामध्ये (प्लास्टर) मोठया प्रमाणात भेगा असल्यास.....
9. इमारतीच्या काही भागात विशिष्ट आवाज होत असल्यास.....
10. इमारतीच्या स्लॅब, बीम, कॉलमच्या भेगामुळे लोखंडी सळयांचा आकार गंजल्यामुळे कमी झालेला असल्यास.....

अशा परिस्थितीत वास्तव्यास असणा-या रहिवाशांनी काय काळजी घ्यावी.

1. उल्हासनगर महानगरपालिकेच्या 2447 कार्यरत असलेल्या आपत्कालीन व्यवस्थापन कक्षाच्या 0251-2720143, 2720149 अथवा टोल फ्री क्रमांक 18002331101 या दूरध्वनी क्रमांकावर संपर्क साधावा.
2. सदर इमारत तातडीने रिकामी करावी.
3. आजूबाजूच्या इमारतीतील रहिवाशांना देखील सतर्क राहण्यास अवगत करावे.
4. इमारत तातडीने तज्ञ संरचनात्मक अभियंता यांना दाखवून इमारतीची वर्गवारी अतिधोकादायक प्रवर्गात (सी-1) झाल्यास इमारत तातडीने रिकामी करावी.

04. उल्हासनगर महानगरपालिका क्षेत्रातील नागरिकांची जिवित व वित्तहानी टाळण्याच्या दृष्टीने जागरुक राहणे ही नागरिकांचीही जबाबदारी आहे. त्यामुळे आपण सर्व जण जबाबदार नागरिक म्हणून आप आपल्या परिसरातील इमारतीवर लक्ष ठेवून भविष्यातील दुर्घटना आपणास टाळता येतील.

तरी शहरातील नागरिकांनी वरीलप्रमाणे सूचनांचे पालन करुन महापालिका प्रशासनास सहकार्य करावे, ही विनंती.

सही/-
(किशोर गवस)
अतिरिक्त आयुक्त
उल्हासनगर महानगरपालिका

जा.क्र. उमपा/पीआरओ/118/2025
दिनांक : 21 मे, 2025.

संक्षेप...

शहापुर में प्रशासन ने रुकवाया बाल विवाह

ठाणे. जिले के शहापुर तालुका के वेलुक कातकरी वाडी में मंगलवार 20 मई को नियोजित बाल विवाह को प्रशासन की सतर्कता के कारण रुकवा दिया गया. संयुक्त रूप से तत्काल कार्रवाई की और बाल विवाह रोका गया . विशेष रूप से मुख्य सेविका कविता जगताप ने मामले की जानकारी होने पर तत्काल प्रयास कर इस बाल विवाह को रोकने का भरसक प्रयास किया. ठाणे जिले के आदिवासी इलाकों में बालविवाह की प्रथा को रोकने में प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है. प्रशासन की सक्रियता से वर्ष 2024 में 18 बाल विवाह संयुक्त कार्रवाई कर रोका गया था.

मुंबईकरों को सुविधा देने में मनपा हो रही फेल

मुंबई. मनपा प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सेवा सुविधा में गिरावट होने का आरोप प्रजा फाउंडेशन ने लगाया है। फाउंडेशन के अनुसार वर्ष 2024 में मुंबईकरों ने मनपा को अपने विभिन्न कार्यों को लेकर 1,15,396 शिकायतें दर्ज कराई, जबकि 2015 में यह संख्या 67,773 थी। इस तरह 2015 की तुलना में 2024 में शिकायतों की संख्या में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रजा फाउंडेशन ने आरोप लगाया है कि मुंबई महानगरपालिका द्वारा कचरा प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण, जल आपूर्ति और मल-निस्सारण जैसे बुनियादी सेवाओं के लिए हर साल हजारों करोड़ रुपए खर्च किए जाते हैं इसके बावजूद नागरिक समस्याएं लगातार बनी हुई हैं।

प्रजा फाउंडेशन का दावा

2015 की तुलना में 2024 में बढ़ीं शिकायतें

प्रजा फाउंडेशन ने जानकारी दी है कि प्रदूषण संबंधी शिकायतों में 334 प्रतिशत, अवैध संपत्तियों को लेकर 747 प्रतिशत, कचरा प्रबंधन से जुड़ी शिकायतों में 380 प्रतिशत और जल आपूर्ति से संबंधित शिकायतों में 88 प्रतिश त की वृद्धि दर्ज की गई है। इसके अलावा नागरिकों ने स्कूल, मल-निस्सारण, उद्यान, सड़क, वायु प्रदूषण, गंदा पानी, टॉयलेट की खराब स्थिति, भवन निर्माण, कीट नियंत्रण और लाइसेंस से संबंधित समस्याओं पर भी शिकायत दर्ज कराईं। मल-निःसरण से संबंधित 2015 में जहां 9,904 शिकायत थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर 15,701 हो गई, जो लगभग 59 प्रतिशत की वृद्धि है।

सड़क संबंधी शिकायतों में गिरावट आई

सड़क संबंधी शिकायतों में गिरावट आई है, 2015 में शिकायत का प्रमाण 13,539 था जो 2024 में घटकर 9,800 रह गई। स्कूलों की खराब स्थिति पर 30 प्रतिशत अधिक शिकायतें आई हैं। प्रजा फाउंडेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मिलिंद म्हास्के के अनुसार शहर में कचरा प्रबंधन की व्यवस्था बिखरती जा रही है। 2015 से अब तक इस विषय में शिकायतों में 380 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मुंबई में आज भी कचरे की निपटान प्रक्रिया सिर्फ देवनार और कांजूरमार्ग के दो डम्पिंग ग्राउंड तक ही सीमित है। हाल ही में बॉम्बे हाईकोर्ट ने कांजूरमार्ग का उपयोग वैकल्पिक डम्पिंग ग्राउंड खोजने का आदेश दिया है।

मुंबई में कार खरीदना होगा 'टेढ़ी खीर'

■ फडणवीस सरकार ने बनाए नए नियम

मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में घर खरीदना किसी सपने से कम नहीं है। अब यहां कार खरीदना भी बहुत बड़ा सपना हो जाएगा। राज्य सरकार ने नई कार खरीदने के लिए नियम सख्त कर दिए हैं। जिससे आम आदमी अब कार खरीदने का सिर्फ सपना ही देख सकता है। नई कार खरीदना उसे मुश्किल रहेगा। दरअसल, महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ऐलान कर दिया है कि जब तक कार खरीदार संबंधित नगर निकाय से पार्किंग स्पेस का सार्टिफिकेट नहीं देते हैं। तब तक नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन नहीं किया जाएगा।

यह फैसला मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में बढ़ते पार्किंग संकट और ट्रैफिक से निपटने के लिए लिया गया है। यह घोषणा राज्य की नई पार्किंग पालिसी पर एक हाई लेवल मीटिंग के बाद की गई है।

सरनाईक ने कहा कि हम पार्किंग स्थल बनाने पर विचार कर रहे हैं। विकास नियमों का पालन किया जाना चाहिए और डेवलपर्स को फ्लैटों के साथ पार्किं मुहैया करनी चाहिए। परिवहन मंत्री सरनाईक ने आगे कहा कि अगर खरीदार के पास संबंधित नगर निकाय से पार्किंग स्थान आवंटन का प्रमाण पत्र नहीं है तो हम नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन नहीं करेंगे।

मुंबई में कार पार्किंग की भारी कमी

इंडिया टुडे में छपी खबर के मुताबिक, मंत्री प्रताप सरनाईक ने स्वीकार किया है कि मुंबई महानगर क्षेत्र में कार पार्किंग के लिए जगह की भारी कमी है। उन्होंने आगे बताया कि शहरी विकास विभाग शहर के बड़े मनोरंजन स्थलों के नीचे पार्किंग प्लाजा के निर्माण की अनुमति देने पर विचार कर रहा है। सरनाईक ने पॉड टैक्सी नेटवर्क के लिए राज्य की योजनाओं पर भी अपडेट दिए हैं। उन्होंने कहा कि हम इस प्रोजेक्ट पर तेजी से काम कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार का विवादित बयान

'15 हजार के ड्रोन के लिए दागी 15 लाख की मिसाइल'

नागपुर. महाराष्ट्र कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक विजय वडेट्टीवार ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक बार फिर विवादित बयान दिया है. उन्होंने नागपुर में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में सरकार को पारदर्शिता रखनी चाहिए और लोगों को सही जानकारी देनी चाहिए.

वडेट्टीवार ने कहा कि अगर कोई यह पूछता है कि युद्ध छोटा हुआ या बड़ा, कितना नुकसान हुआ, क्या अमेरिका के कहने पर

हाथ मिलाया गया, तो इसमें गलत क्या है. उन्होंने आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान चीन निर्मित 5 हजार से 15 हजार रुपये कीमत वाले ड्रोन भेजे गए, जिनका कोई बड़ा असर नहीं था.

उनका कहना है कि उन ड्रोन को मार गिराने के लिए भारत ने 15 लाख रुपये की मिसाइल दागी. इस पर सरकार को स्पष्टीकरण देना चाहिए. उन्होंने यह भी कहा कि राफेल विमान तक उड़ाकर इस्तेमाल किए गए.

यह पहला मौका नहीं है जब विजय वडेट्टीवार ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर सवाल उठाए हों. इससे पहले उन्होंने कहा था कि क्या आतंकी के पास किसी का धर्म पूछने का समय था. उनके इन बयानों को लेकर सियासी हलकों में चर्चाएं तेज हैं.

वडेट्टीवार ने कहा कि जनता को जानने का अधिकार है कि सरकार ने इस अभियान में क्या निर्णय लिए, कितना खर्च हुआ और उसका परिणाम क्या रहा. उन्होंने केंद्र सरकार से स्पष्ट जवाब देने की मांग की है

खाना पसंद नहीं आया तो पति ने पत्नी को पीटा

भिवंडी. शहर के धामणकर नाका इलाके में एक महिला को केवल इस वजह से मारपीट का शिकार होना पड़ा, क्योंकि उसके द्वारा बनाया गया खाना पति को पसंद नहीं आया। पुलिस ने पति समेत चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना 19 मई को इंदु कंपाउंड, वारिस हॉस्पिटल के नजदीक एक बिल्डिंग के चौथे मंजिल में घटी। पीड़िता ने शिकायत में बताया कि उसका पति वसीउल्लाह शेख अक्सर छोटी - छोटी बातों पर झगड़ा करता है।

घटना के दिन वह भोजन बना रही थी, तभी पति ने खाने की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई और मारपीट शुरू कर दी। उसने पत्नी से कहा, तू कितनी मोटी हो गई है, तुझसे खाना बनाना नहीं आता, तू कुछ काम सही से नहीं करती है। महिला ने आरोप लगाया कि उसके ससुर करीमुल्लाह शेख, शगुफ्ता करीमुल्लाह शेख और सास फातिमा शेख ने भी मानसिक और शारीरिक रूप से उसे प्रताड़ित किया।

ई-चालान शिकायतों में से 59% शिकायतें खारिज

■ RTI के तहत सामने आई जानकारी

मुंबई. 'वन स्टेट वन चालान' डिजिटल पोर्टल के माध्यम से मुंबई ट्रैफिक पुलिस विभाग ने 1 जनवरी 2024 से 28 फरवरी 2025 के बीच कुल 556 करोड़ 64 लाख 21 हजार 950 (5,564,219,050) की भारी भरकम चालान राशि वसूल की है। यह जानकारी सूचना का अधिकार (RTI) कार्यकर्ता अनिल गलगली द्वारा दायर एक आरटीआई आवेदन के माध्यम से सामने आई है। उक्त

अवधि में पोर्टल पर कुल 1,81,613 ऑनलाइन शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 1,07,850 शिकायतें खारिज कर दी गईं। यानी लगभग 59% शिकायतों को अमान्य कर दिया गया।

सूचना का अधिकार (RTI) कार्यकर्ता अनिल गलगली ने मुंबई ट्रैफिक पुलिस से ई - च ाल ान शिकायतों की जानकारी मांगी थी। मुंबई ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, वाहन के प्रकार (जैसे दोपहिया, चारपहिया, मालवाहक, यात्री वाहन आदि) के आधार पर प्राप्त शिकायतों का वर्गीकरण 'वन स्टेट वन चालान' पोर्टल पर उपलब्ध नहीं है, जिससे विशिष्ट वाहन श्रेणियों पर की गई कार्रवाई का विश्लेषण करना वर्तमान में असंभव है।

शिकायतों की जांच प्रक्रिया:

सभी शिकायतों की जांच मल्टीमीडिया सेल, ट्रैफिक मुख्यालय, वर्ली, मुंबई में की जाती है। इसमें वाहन की तस्वीरें और आस-पास के दृश्यात्मक सबूतों की जांच की जाती है।यदि तस्वीरें या सबूत स्पष्ट नहीं होते, तो संबंधित ट्रैफिक विभाग या पुलिस स्टेशन को जांच के लिए भेजा जाता है। स्थानीय जांच रिपोर्ट मिलने के बाद ही अंतिम निर्णय लिया जाता है कि चालान बरकरार रखा जाए या रद्द किया जाए।

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली ने कहा कि ई-चालान प्रणाली पारदर्शी होनी चाहिए, नागरिकों को अपना पक्ष रखने का पूरा और न्यायसंगत अवसर मिलना चाहिए, और हर शिकायत की निष्पक्ष एवं गहराई से जांच होनी चाहिए, यह आज की आवश्यकता है।

RTE प्रवेश प्रतीक्षा सूची चरण-4 प्रवेश शुरू

■ शिक्षा अधिकारी ने अभिभावकों से दस्तावेज सत्यापन की अपील की

ठाणे. बच्चों को मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के अनुसार हर साल 25 प्रतिशत प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन लागू की जा रही है। प्रतीक्षा सूची चरण क्रमांक 4 में चयनित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि समाप्त हो चुकी है।इसके लिए 20 मई से 29 मई 2025 तक का समय दिया गया है। चयनित सूची में शामिल विद्यार्थियों के अभिभावकों को एसएमएस भेजा जा रहा है। शिक्षा विभाग ने बताया कि स्कूल में रिक्त सीटों के अनुसार प्रतीक्षा सूची में शामिल बच्चों के अभिभावकों को एसएमएस भेजा जाएगा।अभिभावकों को केवल एसएमएस पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि आरटीई पोर्टल पर आवेदन स्थिति टैब पर अपना आवेदन नंबर दर्ज करके अपने बच्चे के आवेदन की स्थिति की जांच करनी चाहिए और समय-समय पर दिए गए निर्देशों की समीक्षा भी करनी चाहिए। प्रतीक्षा सूची में शामिल बच्चों के अभिभावक निर्धारित समय में आवंटन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेजों के साथ नजदीकी सत्यापन केन्द्र पर जाकर सत्यापन समिति का अनुमोदन प्राप्त करें।शिक्षा अधिकारी बालासाहेब राक्षे ने नागरिकों से अपील की है कि वे 29 मई तक अपने बच्चों के दस्तावेजों का सत्यापन और ऑनलाइन प्रवेश की पुष्टि करें।ठाणे जिले में सभी पंचायत समिति और मनपा के अंतर्गत कुल 627 पात्र स्कूल हैं। जिनमें कुल 11,320 रिक्तियां उपलब्ध हैं और अब तक 8,496 में प्रवेश दिया जा चुका है। प्रतीक्षा सूची चरण क्रमांक 4 में चयनित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है।

शिवाईनगर के रहिवासियों को मिली बड़ी राहत

■ बढ़कर आया हुआ पानी का बिल स्थगित
■ पूर्व नगरसेविका परिषा प्रताप सरनाईक ने की पहल

ठाणे. शिवाई नगर परिसर में रहने वाले नागरिकों को जारी किए गए पानी के बिल पर रोक लगा दी गई और बिल पर जुर्माना पूरी तरह से माफ कर दिया गया। यह जानकारी मनपा की पूर्व नगरसेविका परिषा प्रताप सरनाईक ने दी। वह परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में म्हाडा के उपाध्यक्ष संजीव जायसवाल के साथ एक बैठक के अवसर पर बोल रही थीं। उन्होंने कहा कि शिवाई नगर परिसर में गिरिराज सोसायटी, गीतांजलि सोसायटी, शिवशक्ति सोसायटी, चिन्मय सोसायटी, प्रगति सोसायटी, ओम साईं श्रद्धा सोसायटी के साथ-साथ श्री समर्थ सोसायटी, सहजीवन सोसायटी, सुनीति सोसायटी, एकरूप सोसायटी, सोसायटी, नवदुर्गा सोसायटी, गुरुकृपा सोसायटी जैसी म्हाडा सोसायटियों के नागरिकों को तथाकथित म्हाडा अधिकारियों द्वारा इंतजार कराया गया है और 20-22 साल बाद अचानक जुर्माना राशि के साथ पानी बिल के बकाया का नोटिस भेजना गलत है। ऐसे तुगलकी आदेश देने वाले अफसरों की जांच होनी चाहिए. उन्होंने जायसवाल से ऐसी मांग की। इस विषय पर म्हाडा के उपाध्यक्ष संजीव जयसवाल ने स्पष्ट किया कि दंडात्मक बिल पर रोक लगा दी गई है और पानी के बिल पर दंडात्मक राशि पूरी तरह से माफ कर दी गई है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि मुंबई मनपा की पाइपलाइन के माध्यम से पानी की आपूर्ति करने वाले सोसायटी मालिकों के मूल बिलों की पुनः जांच की जाएगी तथा उन्हें चरणों में भुगतान करने की सुविधा प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही यह भी आश्वासन दिया गया कि जिन नागरिकों के पास तकनीकी रूप से केवल पानी का कनेक्शन है, लेकिन उन्हें पानी नहीं मिलता है, उनके बिल पूरी तरह माफ कर दिए जाएंगे।

इस संबंध में ठाणे शहर के शिवाई नगर क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों को मनपा और म्हाडा से दोगुना पानी बिल बकाया देना पड़ रहा है, जिससे उन्हें काफी आर्थिक और मानसिक परेशानी हो रही है।परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इसे संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया था। पूर्व नगरसेविका परिषा प्रताप सरनाईक के नेतृत्व में ठाणे के पूर्व नगरसेवकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने म्हाडा के प्रबंध निदेशक संजीव जायसवाल से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और एक आवेदन सौंपा। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व नगरसेवक विमल भोईर, वरिष्ठ शिव सैनिक संजय कदम और शिवाई नगर के बड़ी संख्या में निवासी उपस्थित थे।

पति विक्की जैन संग मालदीव वेकेशन पर अंकिता लोखंडे

एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे इन दिनों पति विक्की जैन के साथ मालदीव में छुट्टियों का आनंद ले रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल में छुट्टियों की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। उन तस्वीरों को देखने के बाद उनके फैंस कयास लगा रहे हैं कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट हैं। कपल की तस्वीरों को सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। फैंस उन तस्वीरों को देखकर खूब कमेंट कर रहे हैं।

अंकिता लोखंडे ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर मालदीव वेकेशन से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें कपल रोमांटिक पोज देते दिखाई दे रहे हैं। समुद्र किनारे दोनों की सिजलिंग तस्वीरें खूब पसंद की जा रही हैं। उन तस्वीरों में अंकिता के पेट को देख नेटिजंस कंफ्यूज हो गए हैं। यूजर्स के बीच इस बात की भी चर्चा शुरू हो गई है कि अंकिता लोखंडे प्रेग्नेंट हैं।

हालांकि इसे लेकर कपल की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है, लेकिन कमेंट सेक्शन में प्रतिक्रियाओं की भरमार है। एक यूजर ने लिखा है- आप प्रेग्नेंट लग रही हैं। दूसरे यूजर ने लिखा है- वो प्रेग्नेंट हैं। तीसरे यूजर ने लिखा- बेबी बंप...। चौथे यूजर ने लिखा- ब्यूटीफुल जोड़ी। एक अन्य यूजर ने पूछा- क्या वो प्रेग्नेंट हैं? वहीं अन्य यूजर्स ने कपल को अपना फेवरेट बताया। इसके अलावा एक फैन ने कहा - अंकिता तुम लाफ्टर शेफ्स में अच्छा कर रही हो।

टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से चर्चा में आईं एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने साल 2021 में बिजनेसमैन विक्की जैन से शादी की थी। इनकी शादी खूब सुर्खियों में रही थी। कपल को एक साथ 'बिग बॉस' 17 में साथ देखा गया था। इस समय दोनों को 'लाफ्टर शेफ्स' सीजन 2 में नजर आ रहे हैं। इस शो के सेट पर दोनों के बीच तकरार और नोक झोंक खूब देखा जाता है। फैंस को इनकी नोकझोंक खूब पसंद आती है।

भरोड़ी गांव को जोड़ने के लिए पर्यायी मार्ग का कार्य शुरू

ठाणे. केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना बुलेट ट्रेन का कार शेड ठाणे जिले के भरोड़ी गांव में निर्माण कार्य चल रहा है।ग्रामवासियों को आने जाने के लिए वर्तमान सड़क को रहिवासियों के सुरक्षा की दृष्टि से ग्रामवासियों को आने जाने के लिए पर्यायी मार्ग का निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है इसका कार्य पूर्ण होने तक पुरानी सड़क का उपयोग ग्रामवासियों के लिए खुला रहेगा। निर्माणधीन सड़क की तस्वीर जोड़ी गई है।यह जानकारी बुलेट ट्रेन से संबंधित अधिकारी ने दी।

विट्ठलवाड़ी में बार पर छापा, 44 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

विट्ठल वाड़ी इलाके में एक बार पर छापा मारकर पुलिस ने अश्लीलता फैलाने के आरोप में 44 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बताया कि पुलिस ने गुप्त जानकारी के आधार पर शनिवार रात को विठ्ठलवाडी इलाके में स्थित एक बार पर छापा मारा और पाया कि लोग कथित रूप से अनुचित व्यवहार में लिप्त हैं. पुलिस ने बार संचालक और कर्मचारियों समेत 44 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

PUBLIC NOTICE

Offers are invited by Raju Co-op, Housing Society Ltd., Plot No.6/A, Section 17, Ulhasnagar-3. (Regn. No. TNA/HSG/400) for the redevelopment of the building, Developers can submit their offers to the society till 15 days from the date of publication. Contact us on. 7767048000 Right to reject any offer by Society without assigning any reason thereof by authority.

आम सूचना

हम श्री प्रमोदकुमार श्रीराम राम व श्रीमती इंदूदेवी प्रमोदकुमार राम सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, धोबीघाट, कमला नेहरु नगर, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 03एओ014053300) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनोज दुर्योधन रवानी के नाम पर है। उन्होंने श्री राजेश शांताराम पवार से 19.5.2025 सेल एग्रीमेंट द्वारा खरीदी है। हमने श्री मनोज दुर्योधन रवानी से सेल एग्रीमेंट 20.5.2025 सी.नं. 181/2025 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रमोदकुमार श्रीराम राम व
श्रीमती इंदूदेवी प्रमोदकुमार राम

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

जा.क्र.अंनप/विद्युत विभाग/2025-26/58 दि. 21/05/2025

ई-निविदा सुचना क्र. 03 सन 2025-26

मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद, इच्छुक, अनुभवी, अर्हता पात्र कंत्राटदारांकडुन खालील कामाकरिता Item Wise Rate ची ई-निविदा प्रणालीद्वारे (ऑनलाईन) निविदा मागवित आहेत. निविदा कागदपत्रे शासनाचे संकेतस्थळ https://mahatenders.gov.in येथून डाऊनलोड करण्यात यावीत. तसेच निविदा स्विकारण्याचा अथवा नाकारण्याचा अधिकार मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद यांनी राखून ठेवला आहे. अट असलेली निविदा स्विकारली जाणार नाही.

अ. क्र.	कामाचे नांव	अंदाजित रक्कम	इसारा रक्कम	निविदा कागदपत्र शुल्क
1.	5% दुर्बल घटक अंतर्गत अंबरनाथ नगरपरिषद द्वीतील पॅनल क्र. 28 व 29 पालेगाव येथील मुख्य व अंतर्गत रस्त्यावर स्ट्रीटलाईट पोल टाकून विद्युत व्यवस्था करणे.	रु. 39,31,347/- (जीएसटी वगळून)	रु. 39,500/-	रू. 590/-

ई - निविदा उपलब्ध कालावधी :- दि. 22/05/2025 दु. 12.00 ते दि. 29/05/2025 दु. 12.00 पर्यंत
ई - निविदा उघडणे :- दि. 30/05/2025 दु. 3.00 वा किंवा प्रशासकीय सोईनुसार

खालील सकेतस्थळावर ई- निविदाची सर्व माहिती उपलब्ध आहे.
1. http://www.mahatenders.gov.in
(सदर निविदेसूचनेमध्ये काही बदल होत असल्यास वरील वेबसाईटवरती कळविणेत येईल.)
2. मुख्याधिकारी, अंबरनाथ नगरपरिषद यांचे कार्यालयातील सूचना फलक

सही/-
मुख्याधिकारी
अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099